Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 233 ◘ रायपुर, मंगलवार 16 सितम्बर 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया ● रायपुर ● जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

एनएचएम कर्मचारियों पर आज गिर सकती है गाज, नए सिरे से भर्ती की तैयारी

रायपुर, 16 सितम्बर (हाईवे चैनल)। महीनेभर से काम बंद कर हड़ताल पर बैठे एनएचएम के संविदा कर्मचारियों को मंगलवार को काम पर लौटने का अल्टीमेटम दिया गया है. इस बीच झारखंड के चिकित्साकर्मी संघ ने एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल को अपना समर्थन दे दिया है. संघ की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखा है, जिसमें इस पूरे मामले को संज्ञान में लेकर केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की है. उधर सरकार ने एनएचएम कर्मचारियों को अल्टीमेटम दिया है कि आज वे अपने काम पर लौट जाएं अन्यथा उनको बर्खास्त किया जाएगा और हुए रिक्त पदों पर नई भर्ती की जाएगी।

झारखंड के चिकित्सा कर्मी संघ का मिला समर्थन

शिकायत में बताया गया कि 18 अगस्त 2025 से छत्तीसगढ़ के 16 हजार एनएचएम कर्मचारी अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार ने संघ के प्रतिनिधियों को आश्वासन तो दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत सरकार ने संघ के प्रमुख पदाधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया और आदेश जारी किया कि अगर कर्मचारी 16 सितंबर तक ड्यूटी पर वापस नहीं लौटते तो उनकी जगह नए कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी जाएगी. इसे कर्मचारी संघ ने दुर्भाग्यपूर्ण कदम बताया है. शिकायत में आगे कहा गया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ लंबे समय से विभिन्न माध्यमों से अपनी मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहा है, लेकिन समाधान के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए गए. इस संबंध में छत्तीसगढ़ प्रदेश एन एच एम कर्मचारी संघ द्वारा दिया गया ज्ञापन ही पूरी स्थिति को स्पष्ट करता है. साथ ही अनुरोध किया गया कि केंद्रीय स्तर पर व्यक्तिगत पहल कर छत्तीसगढ़ एनएचएम कर्मचारियों की मांगों के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं, संघ ने चेतावनी दी है कि अगर केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ एनएचएम कर्मचारियों की मांगों पर उचित दिशा-निर्देश नहीं दिए तो झारखंड के एनएचएम और जेएसएसीएस कर्मचारी भी आंदोलन में शामिल होने को बाध्य होंगे.

बलरामपुर के एसडीओपी याकूब मेमन पर दुष्कर्म का रायपुर में दर्ज हुआ मामला

रायपुर/अंबिकापुर, 16 सितंबर (हाईवे चैनल)। बलरामपुर में पदस्थ एसडीओपी याकूब मेमन पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगा है। मामले की शिकायत पीड़िता ने सीधे सरगुजा रेंज के आईजी से की थी। प्रारंभिक शिकायत के आधार पर अंबिकापुर में जीरो में प्रकरण दर्ज कर जांच के लिए रायपुर स्थानांतरित किया गया है। रायपुर के टिकरापारा थाने में एसडीओपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पीड़िता का विस्तृत बयान दर्ज किया जाएगा, जिसके बाद आगे की विवेचना की जाएगी। सूत्रों के अनुसार एसडीओपी याकूब मेमन का पीड़िता से पहले से परिचय रहा है। बताया जा रहा है कि याकूब मेमन के टिकरापारा स्थित मकान में पीड़िता किराए पर रहती थी।

गंगरेल बांध में मछली-पक्षी संरक्षण की जनहित याचिका पर सुनवाई, हाईकोर्ट में मत्स्य विभाग ने पेश किया जवाब

रायपुर/बिलासपुर, 16 सितंबर (हाईवे चैनल)। गंगरेल बांध में मछली और पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए पेश जनहित याचिका पर हुई सुनवाई में राज्य शासन के मत्स्य विभाग ने जवाब पेश कर बताया कि 779 में से से 679 केज हटा दिए गए हैं. अब सिर्फ 100 केज हटाना बाकी है. इस मामले में चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई होगी.

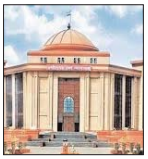

धमतरी की वाइल्ड लाइफ वेलफेयर सोसायटी ने जनहित याचिका लगाई है, जिसमें आरोप लगाया है कि, गंगरेल जलाशय में बिना वैध अनुमति के पिंजरों के जरिए बड़े पैमाने पर मछलियों का शिकार किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है. याचिकाकर्ता का कहना है कि, शासन ने छह माह पूर्व ही इस अवैध गतिविधि को रोकने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. मामले की सुनवाई के दौरान मत्स्य विभाग की ओर से प्रस्तुत शपथपत्र में बताया गया था कि जलाशय के लाभार्थियों ने जिला मजिस्ट्रेट-सह-कलेक्टर,धमतरी के समक्ष आवेदन देकर अपने पिंजरों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की, जिला धमतरी ने 24 फरवरी 2025 को कार्यपालक अभियंता, जल प्रबंधन संभाग को पत्र लिखकर पिंजरों के स्थानांतरण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने का अनुरोध किया था. उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भी इस संबंध में अभियंता से भेंट की, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिल सका.इसकी जानकारी निदेशक (मत्स्य पालन) को भेजी गई थी. शपथपत्र में कहा गया कि फुटाहामुड़ा क्षेत्र, जो एक आर्द्रभूमि है, उसमें कुल 774 पिंजरे लगाए गए हैं और अधिकांश किसानों ने इन्हें स्थानांतरित करने पर सहमति जता दी है, जैसे ही सिंचाई विभाग उपयुक्त स्थान चिन्हित करेगा, पिंजरों का स्थानांतरण कर दिया जाएगा. आज हुई सुनवाई में मत्स्य विभाग ने कोर्ट को बताया कि, ज्यादातर केज हटा दिए गए हैं, जहां मछलियों का शिकार किया जा रहा था.अब मात्र 100 केज ही बचे रह गए हैं. धीरे धीरे इन्हें भी पूरा हटा लिया जाएगा. यह सुनने के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने 4 सप्ताह बाद अगली सुनवाई निर्धारित कर दी है.

ब्रेकिंग न्यूज

छत्तीसगढ़ से पुणे जाने और आने के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रायपुर, 16 सितम्बर (हाईवे चैनल)। छठ पूजा के अवसर पर रेल यात्रियों की सुविधा और अधिकतम कन्फर्म बर्थ/सीट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने बिलासपुर और हडपसर (पुणे) के बीच एक फेरे के लिए छठ पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है.

ट्रेन नंबर 08265 (बिलासपुर-हडपसर) और 08266 (हडपसर-बिलासपुर) के बीच चलेगी. ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे, जिनमें 02 एसएलआर (सामान यान), 03 सामान्य श्रेणी, 04 शयनयान (स्लीपर), 08 एसी-थ्री, 02 एसी-थ्री इकोनॉमी और 01 एसी-टू कोच होगी.

1 अक्टूबर से होने जा रहा ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 16 सितम्बर (न्यूज चैनल)। रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। 1 अक्टूबर 2025 से ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब सुबह 8 बजे से लेकर 8.15 तक यानी टिकट बुकिंग शुरू होने के पहले 15 मिनट के दौरान केवल उन्हीं यात्रियों को टिकट बुक करने की अनुमति होगी, जिनका आधार प्रमाणीकरण पहले से किया गया होगा। रेल मंत्रालय ने इस नई व्यवस्था को लेकर आदेश जारी कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य है टिकट बुकिंग प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी बनाना और फर्जीवाड़े व दलालों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना। रेलवे के अनुसार, जब सामान्य आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग सुबह 8 बजे से शुरू होती है, उस वक्त का सबसे ज्यादा दुरुपयोग दलाल करते हैं। इसलिए अब बुकिंग के शुरुआती 15 मिनट (8 से 8.15 बजे तक) के भीतर केवल वही यात्री टिकट बुक कर सकेंगे जिनकी पहचान पहले से आधार कार्ड से प्रमाणित है। इस दौरान आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल एप्लिकेशन पर केवल आधार-वेरिफाइड यूजर ही लॉगिन करके टिकट बुक कर सकेंगे।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, पीएम मोदी कह रहे हैं देश में देश का कानून चलेगा युसपैठियों का नहीं..!

चुहिया- हां जी, तो देश का कानून चलाने रोका ही कौन है..!

हास्य, व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि सुरजीत नवदीप नहीं रहे

धमतरी, 16 सितम्बर (हाईवे चैनल)। धमतरी के साहित्य जगत में शोक की लहर है। धमतरी हिंदी साहित्य समिति के संरक्षक सुरजीत लोकप्रिय मंच संचालक तथा जिला नवदीप अब नहीं रहे। 88 साल के नवदीप नगर के उपाध्याय नर्सिंग होम में सोमवार रात्रि करीब 9.25 बजे अंतिम सांस ली। 11 सितंबर से वे भर्ती थे। उनके निधन से धमतरी ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का साहित्यिक समाज शोकाकुल है।

जिले सहित प्रदेश भर में अपने अलग शैली के लिए रहे ख्याति प्राप्त

जिले सहित प्रदेश भर में अपनी अलग शैली के चलते ख्याति प्राप्त कवि रहे। उनकी रचनाएं, उनकी आवाज, उनकी उपस्थिति मंचों को जीवंत बनाती थी। साहित्य प्रेमी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी स्मृतियों को साझा कर रहे हैं। उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार को दोपहर 2 बजे निवास स्थान डाक बंगला वार्ड से निकाली गई।

समाज की विसंगतियों पर गंभीर चिंतन के साथ युवा पीढ़ी के लिए रहे प्रेरणास्रोत - सुरजीत नवदीप छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सदस्य भी रह चुके थे। हास्य और व्यंग्य की सहज शैली में गंभीर सामाजिक मुद्दों को प्रस्तुत करने की कला उनके व्यक्तित्व की पहचान थी। वे मंच पर जहां हास्य का रस घोलते थे। वहीं समाज की विसंगतियों पर गंभीर चिंतन भी प्रस्तुत करते थे। युवा पीढ़ी के लिए वे प्रेरणास्रोत बने। उनकी लेखनी, हास्य की सहज शैली, समाज की जटिलताओं पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी और मंचीय उपस्थिति ने उन्हें पूरे देश में एक सुरजीत नवदीप का जन्म 1 जुलाई 1937 को मंडी भवलदीन, पंजाब (जो वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है) में हुआ। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त कर एमए (हिंदी) के साथ बीएड और सीपीएड की उपाधियां अर्जित की।

शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देने के पश्चात स्वतंत्र लेखन और साहित्य सेवा में रहे सक्रिय - शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवा देने के बाद वे सेवानिवृत्त होकर स्वतंत्र लेखन और साहित्य सेवा में सक्रिय रहे। नवदीप का नाम हिंदी हास्य-व्यंग्य कविता में सम्मानपूर्वक लिया जाता है। उन्होंने न केवल कविताओं का लेखन किया, बल्कि देश की विविध पत्र-पत्रिकाओं में गीत, गजल, हास्य-व्यंग्य कविता और कहानियों का प्रकाशन भी किया। रेडियो और दूरदर्शन में अनेक बार काव्यपाठ तथा कार्यक्रमों का संचालन कर साहित्य प्रेमियों के बीच लोकप्रियता अर्जित की। लाजवंती का पौधा (उपन्यास), हवाओं में भटकते हाथ (काव्य संग्रह), कुर्सी के चक्कर में (काव्य संग्रह), शब्दों का अलाव, आंसू हंसते हैं, रावण कब मरेगा? (काव्य संग्रह), खाओ पीयो खिसको, बुड़ापा जिन्दाबाद इन कृतियों में समाज की विसंगतियों, मानवीय संवेदनाओं, राजनीतिक व्यंग्य तथा हास्य की सहजता को अभिव्यक्ति मिली।

सचिन पायलट का छत्तीसगढ़ दौरा, 8 जिलों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान में लेंगे हिस्सा

रायपुर, 16 सितंबर (हाईवे चैनल)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट तीन दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं. उनके दौरे के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता फिर सक्रिय हो गए हैं. वे यहां 8 जिलों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' कार्यक्रम में शामिल होंगे. 16 सितंबर को शाम 4 बजे झारसुगुड़ा एयरपोर्ट से रायगढ़ पहुंचेंगे. रायगढ़ में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे. शाम 5.30 बजे रायगढ़ से कोरबा के लिये रवाना होंगे. रात्रि 7.30 बजे कोरबा में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं हस्ताक्षर अभियान' में शामिल होंगे।

एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट 17 सितंबर को सुबह 10 बजे कोरबा से रतनपुर जिला बिलासपुर के लिये रवाना होंगे. 11.30 बजे रतनपुर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे. दोपहर 12 बजे रतनपुर से तखतपुर के लिये रवाना होंगे. दोपहर 12.30 बजे तखतपुर जिला बिलासपुर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे. दोपहर 2 बजे तखतपुर से मुंगेली के लिये रवाना होंगे. दोपहर 2.30 बजे मुंगेली पहुंचकर 'वोट चोर गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा' में शामिल होंगे. शाम 4 बजे मुंगेली से बेमेतरा के लिये रवाना होंगे. शाम 4.30 बजे बेमेतरा पहुंचकर 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे. शाम 6 बजे बेमेतरा से राजनांदगांव के लिये रवाना होंगे. रात्रि 8 बजे राजनांदगांव पहुंचेंगे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट 18 सितंबर को सुबह 11 बजे राजनांदगांव में 'वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा में शामिल होंगे. दोपहर 12 बजे राजनांदगांव से दुर्ग के लिये रवाना होंगे. दोपहर 12.30 बजे दुर्ग पहुंचकर वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली' में शामिल होंगे. दोपहर 2.30 बजे दुर्ग से भिलाई के लिये रवाना होंगे. दोपहर 2.45 बजे भिलाई पहुंचकर वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली एवं पदयात्रा में शामिल होंगे। बताया गया है कि कांग्रेस के अभियान के दौरान प्रदेश प्रभारी जिलों के कार्यकर्ताओं से सीधे रूबरू होंगे. पीसीसी के कार्य और उनके जिलों में चल रही राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी लेंगे. वहां पर ब्लॉक कमेटियों के कार्यों पर चर्चा करेंगे. हाल ही में पार्टी में अंतर्कलह को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए गए थे।

अगले 10 साल में 44 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ सकती है अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 16 सितम्बर (न्यूज चैनल)। अब तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (इ) को सिर्फ एक तकनीकी टूल के तौर पर देखा जाता रहा है, लेकिन भारत में यह अब एक नई क्रांति की भूमिका निभाने जा रहा है। नीति आयोग की एक ताजा रिपोर्ट में यह साफ किया गया है कि यदि देश ने समय रहते,इ को सही दिशा और रणनीति के साथ अपनाया, तो यह न केवल आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज कर सकता है, बल्कि भारत को वैश्विक आर्थिक मंच पर भी मजबूती से स्थापित कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार एआई की मदद से भारत की सकल घरेलू उत्पाद में 2035 तक 500 से 600 अरब डॉलर (लगभग 44 लाख करोड़) तक की वृद्धि हो सकती है। यानी आने वाले 10 सालों में एआई भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक इंजन की तरह काम करेगा, जो न केवल गति बढ़ाएगा, बल्कि नई ऊंचाइयों तक भी ले जाएगा। नीति आयोग ने इसे केवल एक तकनीकी सुधार न मानकर गेम चेंजर बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि,इ के उपयोग से उत्पादकता और कार्यक्षमता में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी, जिससे हर सेक्टर में बदलाव देखने को मिलेगा, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य, कृषि, मैन्युफैक्चरिंग या फिर बैंकिंग। एआई के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में आने वाले एक दशक में 17 से 26 ट्रिलियन डॉलर तक का असर पड़ने की संभावना है। नीति आयोग की मानें तो भारत इस वैश्विक एआई बाजार में 10 से 15ब हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, जो दुनिया की सबसे बड़ी,इ इकॉनमी में देश को गिनती में ला देगा।

नीति आयोग की रिपोर्ट में बड़े दावे

रायपुर एम्स का एआई डॉक्टर, सेकंड में पकड़ रहा हार्ट अटैक का खतरा

रायपुर, 16 सितंबर (हाईवे चैनल)। इमरजेंसी वार्ड में अचानक सीने में दर्द से तड़पता मरीज आता है. डॉक्टर ईसीजी मशीन जोड़ते हैं और टैबलेट पर एक वेबपेज खोलते हैं. महज 60 सेकंड बाद स्क्रीन चमक उठती है-'हार्ट अटैक का खतरा है, तुरंत ये दवा दें.' यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म का सीन नहीं, बल्कि रायपुर एम्स की नई मेडिकल क्रांति है।

एम्स के ट्रॉमा-इमरजेंसी विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित इंटेलिजेंट इमरजेंसी केयर सिस्टम (आईईसीएस) तैयार किया है, जो मिनट भर में मरीज के हार्ट रिस्क का पता लगा लेता है. एक साल में 20 हजार मरीजों पर ट्रायल में यह सिस्टम 90 फीसदी मामलों में बिल्कुल सटीक साबित हुआ है. इस सिस्टम की महज 1 से 2 मिनट में यह पता लगाना संभव हो गया है कि अस्पताल में आये मरीज के सीने में हो रहे दर्द का जोखिम कितना है और उसके लिए कौन सी दवा उपयुक्त रहेगी. इस ट्रायल में सबसे कम उम्र का मरीज सिर्फ 28 साल का निकला. आंकड़े बताते हैं कि 20 हजार मरीजों में से 60 फीसदी 28 से 35 साल के युवा थे. एम्स के एक कार्डियोलॉजिस्ट के मुताबिक- 'यह एक अलार्म है. दिल की बीमारियां अब बूढ़े नहीं, बल्कि युवाओं को तेजी से जकड़ रही हैं. समाज को जागरूक होना ही पड़ेगा.'

एम्स के डॉक्टर बताते हैं- 'हम इस सिस्टम को और बेहतर करने के बाद छत्तीसगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक ले जाने की तैयारी कर रहे हैं. वहां का डॉक्टर लॉगिन करेगा और सीधे एम्स रायपुर के 10 विशेषज्ञों से जुड़ जाएगा. ईसीजी रिपोर्ट और वीडियो कॉलिंग के जरिये सिस्टम मरीज का रिस्क बताएगा और तुरंत दवा तय हो जाएगी.' इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि गांव में बैठे मरीज को भी डिजिटल कार्डियोलॉजिस्ट की सुविधा मिल जाएगी. इससे हार्ट अटैक के शुरुआती दौर में ही मरीज की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी। मरीज का ईसीजी, ब्लड प्रेशर और पल्स रेट तुरंत सिस्टम में डाला जाता है. डॉक्टर को मरीज के लक्षणों से संबंधित करीब 10 सवालों के जवाब दर्ज करने होते हैं. इसके बद सिस्टम रिस्क फैक्टर की रिपोर्ट निकाल देता है और इलाज का अगला कदम तय हो जाता है. जब मौके पर कार्डियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं होता, तब यह तकनीक जीवनरक्षक साबित होती है।

इस सिस्टम से इलाज के तरीकों में आएंगे बड़े बदलाव

- तेज इलाज इमरजेंसी में मिनटों में मरीज का रिस्क पकड़ कर गोल्डन आवर में जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी.
- गांव-गांव सुविधा ड्रू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टर भी सीधे एम्स के विशेषज्ञों से जुड़ सकेंगे.
- डिजिटल कार्डियोलॉजिस्ट मौके पर स्पेशलिस्ट न होने पर भी सही दवा और प्राथमिक इलाज तय हो जाएगा.
- युवाओं को चेतावनी 28-35 साल के मरीजों में बढ़ते हार्ट अटैक के खतरे को जल्दी पहचानकर रोकथाम संभव होगी.
- टेक्नोलॉजी पर भरोसा आईआईटी और केंद्र सरकार की निगरानी से सिस्टम लगातार अपडेट होता रहेगा.

CMYK